उत्तरमाला

I.मेघ आए' कविता में बादलों को शहर से आने वाले दामाद के समान बताया गया है क्योंकि बादल गाँव में उसी तरह सज-धजकर आ रहे हैं जैसे शहरी दामाद सज-धजकर आता है या इन बादलों का इंतज़ार भी दामाद की ही तरह किया जाता है।

2.बयार की तुलना गांव के बच्चों से की गई है, जो गांव के लोगों को मेहमान के आने का संदेश दे रहे हैं।

3.आँधी आने से घरों के दरवाजे -खिड़कियां खुलने और बंद होने लगते हैं तथा नदी में लहरें उठने से उस पर जमी मिट्टी की परत हट जाती है।

4.धूल अतिथि के आगमन से अति उत्साहित युवती का प्रतीक है,जो घाघरा उठाकर भाग कर घर वालों को बादल रूपी मेहमान के आगमन का संदेश देने जा रहे हैं ।

5.मेघ के आने का प्रभाव सभी पर पड़ा है। नदी ठिठककर कर जब ऊपर देखने की चेष्टा करती है तो उसका घूँघट सरक जाता है और वह तिरछी नज़र से आए हुए आंगतुक को देखने लगती है।

II. अलंकार

1.उपमा

2.अनुप्रास

3.रूपक

4.उपमा

5.अनुप्रास

6.अनुप्रास

7.रूपक

8.अनुप्रास

9.यमक

10.अनुप्रास